हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 59 | देहरादून, शुक्रवार, 19 अगस्त, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

दून अस्पताल को स्वास्थ्य मंत्री धन दा ने दी बड़ी सौगात
हार्ट पेशेंट के लिये कैथ लैब का शिलान्यास 3

कृष्ण जन्माष्टमी पर कृष्णभक्ति में डूबे दिखे मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून पुलिस लाइन, में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) ने बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा भगवान कृष्ण और राधा पर आधारित गीतों को प्रस्तुत किया गया जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस मौके पर छोटे बच्चों ने कृष्ण और राधा पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किए। इस दौरान राज्यपाल ने जन्माष्टमी पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हमारे लिए सदैव एक उत्साह, आनंद, प्रेरणा और उमंग लेकर आता है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र, व्यक्तित्व और उनके उपदेश हमें अलौकिक मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा की पुलिस प्रशासन का यह एकमात्र त्यौहार होता है जिसे काफी बेहतर तरीके से मनाया जा रहा है। पुलिस प्रशासन 24 घंटे जनता की सेवा में तत्पर रहती है और आज उनके के लिए यह त्योहार महत्वपूर्ण होता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण का प्रत्येक अवतार मनुष्य को जीवन जीने कि नई सीख देता है। भगवान श्री कृष्ण की प्रेरणा मनुष्य को सफल एवं समृद्धि

बनाती है। उन्होंने कहा जब-जब धर्म की हानि हुई भगवान श्री कृष्ण ने विभिन्न अवतारों में धर्म एवं संसार की रक्षा की है।

कार्यक्रम में प्रथम महिला गुरमीत कौर, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, मेयर सुनील उनियाल गामा, मेयर ऋषिकेश अनिता ममगाई , विधायक खजान दास, विधायक मुन्ना सिंह चौहान, विधायक सविता कपूर, विधायक खजान दास, गीता धामी, डीजीपी अशोक कुमार एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले में एक और गिरफ्तार : एसटीएफ चीफ अजय सिंह की अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

22 जुलाई 2022 को थाना रायपुर पर उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन चयन आयोग द्वारा आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा मैं प्रश्नपत्र लीक आउट होने के मामले में दर्ज मुकदमे की विवेचना स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा की जा रही है जिसमें स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा अब तक पूर्व में कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका था। विवेचना के दौरान अहम सबूतों के आधार पर एवं पूर्व गिरफ्तार अभियुक्त हाकम सिंह के कहने पर कुछ छात्रों को विभिन्न स्थानों से लेकर पूर्व गिरफ्तार टीचर तनुज शर्मा के घर ले जाने की पुष्टि हुई है

विवेचना के दौरान अभियक्त अंकित रमोला की तलाश में एसटीएफ टीम रवाना हुई उत्तरकाशी नौगांव से अंकित रमोला को पूछताछ हेतु एसटीएफ कार्यालय लाया गया था, जहां पूछताछ करने के बाद साक्ष्य की पुष्टि होने पर अंकित रमोला को उक्त मुकदमे में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अंकित रमोला है जो ग्राम सुनहरा पोस्ट ऑफिस नौगांव तहसील बड़कोट जिला उत्तरकाशी का रहने वाला है और उसकी उम्र करीब 32 वर्ष है।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह लगातार इस मामले में अपील कर रहे हैं कि सभी ऐसे अभियार्थिओ को आगाह किया जाता है की जो अनुचित साधनों से एग्जाम को क्लियर किया है वो स्वम से सामने आकर बयान दर्ज कराया अन्यथा जल्दी ही उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है। हम भी आपसे अपील करते हैं कि प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए अपनी मित्र पुलिस का सहयोग ज़रूर करें।

प्रमुखगणो के वाहन के लिए 10000 रुपये देने का ऐतिहासिक फैसला : सतपाल महाराज

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कुछ दिन पूर्व प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज से प्रमुख संगठन के द्वारा मुलाकात की गई थी जिसमे कई मांग मंत्री महाराज के समक्ष रखी थी जिसने कई बर्षों से एक मांग थी कि प्रमुखों के वाहन के लिए पेट्रोल या डीजल की व्यवस्था की जाए इसकी गंभीरता को समझते हुए मंत्री सतपाल महाराज ने शीघ्र ही सचिव पंचायतीराज व निदेशक पंचायतीराज को आदेश दिया ओर शीघ्र उचित करवाई की बात कही थी। इसी कड़ी में ऐतिहासिक निर्णय हुआ है जिसमें सभी प्रमुखगणो को बताया गया कि सभी प्रमुखगणो के वाहन में तेल के लिए प्रतिमाह 10000 रुपये की व्यवस्था के आदेश जारी कर दिए गए है। इसके लिए प्रमुख संगठन की ओर से प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज का विशेष आभार जताते हुएडॉ दर्शन दानू अध्यक्ष प्रमुख संगठन उत्तराखंड ने इसको बहुत बड़ा फैसला है।

काम की बात : उत्तराखंड में मेडिकल स्टोर के लिए होंगे ये नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में नकली और नशीली दवाओं पर रोकथाम के लिए कुछ नए नियम और पाबंदियों को लागू किया गया है. इसके तहत राज्य में मेडिकल स्टोर पर बिकने वाली नशीली दवाओं को लेकर कुछ खास नियम तय किए हैं. यही नहीं ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर भी कुछ खास फैसले भी लिए गए हैं.

उत्तराखंड के मेडिकल स्टोर पर ऐसी कई दवाइयां हैं, जिन्हें नशे के रूप में भी उपयोग में लाया जाता है. ऐसी दवाओं के स्टोर को लेकर मेडिकल की दुकानों में कुछ नए नियमों को तय किया गया है. इसके तहत ऐसी चिन्हित दवाइयों को मेडिकल स्टोर संचालक मात्रा में ही रख सकेंगे और ऐसी दवाओं का पूरा हिसाब भी दवा बिक्री करने वालों को रखना होगा. इस तरह मेडिकल स्टोर में बिक्री को लेकर मनमानी पूरी तरह से रोकी जा सकेगी.

आपको यहाँ बताते चलें कि प्रदेश में नकली दवाओं और नशीली दवाओं के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने तेज़ी से अभियान शुरू किया है और काम कर रहा है. अब तक नकली दवाओं या नशीली दवाओं के लिए पुलिस विभाग के पास ही इससे जुड़ी जांच का पूरा अधिकार था, लेकिन अब ड्रग कंट्रोलर ही नकली और नशीली दवाओं से जुड़े मामलों की जांच करेंगे, ताकि वे तकनीकी पहलुओं को आगे रखते हुए कोर्ट तक उन सभी विषयों को अपने सबूतों के जरिए रख सके. जिससे ऐसा करने वालों को सजा मिल सके. ड्रग इंस्पेक्टर्स को अधिकार देने को लेकर ड्रग नीति में व्यवस्था की गई है, ताकि इससे जुड़ा पूरा अधिकार ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सके.

बात मनवाने के लिए बच्चा हो जाता है जिद्दी, पेरेंट्स इन टिप्स से सुधारें आदत

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कभी-कभी माता-पिता को मजबूरन बच्चे की जिद को पूरा करना पड़ता है. ब्लैकमेल के अलावा बच्चे के इस व्यवहार को मैनिपुलेशन भी कहा जा सकता है. अगर आपका बच्चा भी अक्सर ऐसी हरकत को अपनाता है, तो उसकी इस बुरी आदत को सुधारने के लिए आप कुछ टिप्स अपना सकते हैं.जब बच्चा एक शिशु होता है, तो उसके रोने पर उसे चुप कराया जाता है. एक दौर ऐसा आता है, जब बच्चा चॉकलेट या अन्य चीजों के लिए रोना शुरू कर देता है. रोने को बच्चे एक हथियार के रूप में यूज करते हैं, लेकिन एक समय पर उसका ये तरीका भी फेल होने लगता है. इस तरीके के बाद बच्चे झूठ बोलने लगते हैं और जब यह तरीका भी काम नहीं आता, तो वह ब्लैकमेल करने की सिचुएशन को अपना लेता है. देखा गया है कि आजकल बच्चों को गैजेट्स व अन्य चीजों की लत ऐसी पड़ गई है कि वे हर सिचुएशन में जिद्दी बन जाते हैं. ज्यादातर मामलों में बच्चे इतने जिद्दी हो जाते हैं कि वे अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता को ब्लैकमेल तक करते हैं...

गोल सेट करें

अगर आप इस टिप को अपनाते हैं, तो यकीन मानिए आप बेस्ट रिजल्ट पा सकते हैं. इसके लिए जब भी आपका बच्चा किसी चीज की डिमांड करता है, तो उसके लिए एक गोल सेट करें. उसे वह चीज मुहैया कराने के लिए टाइम सेट करें. आप अगर हाथों हाथ बच्चे को चीज लाकर दे देते हैं, तो वह अगर बार धीरज नहीं रखेगा. वह कोई चीज मांगे तो उसे कहिए कि जो वह मांग रहा है उसके लिए उसे कुछ दिनों का इंतजार करना पड़ेगा. ऐसा करने से वह खुद पर कंट्रोल करना सिखेगा.

नियम तय करें

बच्चे को अच्छा व्यवहार सिखाने के लिए कुछ नियमों को तय करना बेस्ट रहता है. नियमों को लिखकर दीवार पर लगा दें और जब भी बच्चा इनकी अनदेखी करें, तो उसे गलती का अहसास कराएं, लेकिन बहुत ही प्यार से. साथ ही ज्यादा सख्त नियम न बनाएं और आप भी इन नियमों का पालन करें. ऐसा करने से बच्चे पर अच्छा असर पड़ेगा और वह बेहतर व्यवहार को अपनाएगा.

फैमिली टाइम

बच्चे को व्यवहार कैसे करना चाहिए, इसे सिखाने के लिए उसके साथ वक्त बिताना बहुत जरूरी है. बच्चे के साथ रिश्ते को मजबूत करने के लिए उसकी पसंद का खाना घर पर ही बनाएं. साथ ही ये भी तय करें कि वीकेंड पर क्या करना है. ऐसा करने से बच्चा खुश रहेगा और वह हर सिचुएशन में मैनिपुलेशन वाला व्यवहार नहीं अपनाएगा.

दून अस्पताल को स्वास्थ्य मंत्री धन दा ने दी बड़ी सौगात
हार्ट पेशेंट के लिये कैथ लैब का शिलान्यास

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हृदय संबंधी रोगों की जांच एवं उपचार के लिये मरीजों को अब निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, शीघ्र ही राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब बनकर तैयार हो जायेगी और रियायती दरों पर हृदय रोगियों को सस्ता इलाज मिल सकेगा। सूबे में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहत्तर बनाने के लिये प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में 'लाइफ स्टाइल क्लीनिक' का नया विभाग खोला जायेगा, जहां पर संबंधित सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित किये जायेंगे। इसके अलावा प्रदेश में सुपर स्पेशिलिस्ट चिकित्सकों का पृथक कैडर बना कर नया वेतनमान तय किया जायेगा।

यह बात सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में कार्डियक कैथ लैब के शिलान्यास कार्यक्रम में कही। डॉ0 रावत ने बताया कि अब हाईटेक तकनीकी से हृदय संबंधी रोगों की जांच एवं उपचार दून अस्पताल में किया जा सकेगा। जिसके लिये चार माह के भीतर अस्पताल में कैथ तैयार कर ली जायेगी, जिसके लिये सरकार ने 5 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर ली गई है। विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को लैब निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये ताकि आगामी 9 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर इसका शुभारम्भ किया जा सके।

डॉ0 रावत ने बताया कि यह सूबे की पहली कैथ लैब है जो किसी सरकारी अस्पताल में स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार का मकसद निजी अस्पतालों की भांति सरकारी अस्पतालों में भी हाईटेक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है ताकि प्रदेश के लोगों को रियायती दरों पर उपचार मिल सके। दून अस्पताल में कैथ लैब खुलने से हार्ट संबंधी रोगियों को खासी राहत मिलेगी साथ ही हार्ट सर्जरी, वॉल्ब चेंज एवं हार्ट अटैक में बेहत्तर उपचार भी मिलेगा। इसके बाद रोगियों की निजी अस्पतालों पर निर्भरता भी कम होगी। डॉ0 रावत ने बताया कि सूबे में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में 'लाइफ स्टाइल क्लीनिक' का नया विभाग खोला जायेगा, जिसमें संबंधित सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित किये जायेंगे। इसके अलावा प्रदेश में सुपर स्पेशिलिस्ट चिकित्सकों का पृथक कैडर बनाने के साथ ही नया वेतनमान भी तय किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी को पूरा करने के लिये चिकित्सा सेवा चयन आयोग के माध्यम से 339 स्थाई असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। साथ ही 2600 स्टॉफ नर्सों की वर्षवार भर्ती प्रक्रिया को भी शीघ्र शुरू कर दिया जायेगा। डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में संस्थागत प्रसव की स्थिति में बेहत्तर सुधार हुआ है। इसके अलावा राज्य के मेडिकल कॉलेजों में पैरामेडिकल स्टॉफ की कमी को दूर

करने के लिये करीब दो हजार पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, जिसकी स्वीकृति मिलते ही भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। इस अवसर पर मेयर दून नगर निगम सुनील उनियाल गामा, विधायक राजपुर खजान दास, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ0 आशीष श्रीवास्तव, प्राचार्य दून मेडिकल कॉलेज डॉ0 आशुतोष सयाना, सीएमएस डॉ0 के0सी0 पंत, डॉ0 एन0एस0 खत्री, डॉ0 अमर उपाध्याय, डॉ0 अभिषेक चौधरी, महेन्द्र भंडारी, दीपक राणा, सुधा कुकरेती सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में स्वीकृत
114.22 करोड़ का आभार : सौरभ बहुगुणा

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री, पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य पालन श्री पुरूषोतम रूपाला की अध्यक्षता में आयोजित एन0एफ0डी0डी0 की प्रबन्धन कमेटी की 9वीं वार्षिक बैठक में उत्तराखण्ड के पशुपालन, दुग्ध विकास, मत्स्य पालन मंत्री सौरव बहुगुणा ने केंद्र सरकार के सहयोग और योजनाओं के लिए स्वीकृतियों का आभार जताया है ।

बैठक में प्रदेश में फैल रहे "लम्पी स्किन डिजीज" पर नियंत्रण पाने हेतु भारत सरकार से आवश्यक सहयोग एवं राज्य के पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य पालन के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया। कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा मात्स्यिकी क्षेत्र के समग्र विकास हेतु संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के लिए दो वर्षो में स्वीकृत प्रोजेक्ट रूपये 114.22 करोड़ हेतु भारत सरकार एवं एन0एफ0डी0डी0 का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उन्होंने बैठक में बताया कि उत्तराखण्ड राज्य में मात्स्यिकी विकास हेतु बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज सहित पांच वर्षीय योजना तैयार की गयी है। इस हेतु भारत सरकार एवं एन0एफ0डी0डी0 से मात्स्यिकी क्षेत्र में निर्मित अवसंरचनाओ एवं फसल के बीमा, पर्वतीय क्षेत्रों में निर्बल वर्ग के सहायता हेतु रनिंग वाटर तालाब निर्माण, ग्राम समाज के तालाबों का सुधार जैसी गतिविधियों को प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में सम्मिलित करते हुए राज्य हेतु योजना में अधिक से अधिक धनराशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया। उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत अनुदान धनराशि को भी बढ़ाये जाने का अनुरोध किया गया, साथ ही उत्तराखण्ड में पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्र होने के दृष्टिगत दोनों क्षेत्रों में 01-01 राज्य स्तीरय इण्टीग्रेटेड एक्वापार्क स्थापित कराये जाने की भी मांग की।

कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा द्वारा मत्स्य विभाग, भारत सरकार से उत्तराखण्ड राज्य में अवस्थित शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल जो भारत सरकार का उपक्रम है, से राज्य को लाभ प्राप्त किये जाने के उद्देश्य से अनुरोध किया गया कि अनुसंधान निदेशालय में प्रतिवर्ष राज्य के 2000 मत्स्य पालको के प्रशिक्षण की व्यवस्था करायी जाये जिससे कि राज्य के मत्स्य पालको का कौशल विकास होते हुए नवीन तकनीकी से लाभान्वित हो सके, इसके अलावा राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से एंग्लिंग पर्यटन के विकास हेतु अभिनव तकनीकियां का सम्मिलित करते हुए एक विशिष्ट राज्य स्तरीय एंग्लिंग पोर्टल तैयार किये जाने का अनुरोध किया गया।

नेशनल डिजीटल लाईवस्टाक मिशन योजना जो राज्य के 2 जनपदों में संचालित है को राज्य के समस्त 13 जनपदों में संचालित करने की स्वीकृति तथा योजना के संचालन हेतु आवश्यक धनराशि अवमुक्त करने का भी अनुरोध किया गया। इसके साथ ही पशुपालकों को उनके द्वार पर मोबाईल वेटरिनरी वैन के माध्यम से आधुनिक तकनीकी से परीक्षण व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु राज्य को 35 अतिरिक्त मोबाईल वेटरिनरी वैन उपलब्ध कराने, मोबाईल वेटरिनरी वैन के संचालन हेतु धनराशि अवमुक्त करने का भी अनुरोध किया गया।

राज्य में भेड़ों के नस्ल सुधार तथा ऊन की गुणवत्ता में सुधार हेतु नेशनल लाईवस्टाक मिशन के अन्तर्गत 500 मेरिनो भेडों. के आयात की स्वीकृति प्रदान करने, पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता तथा पी.पी.आर. रोग उन्मूलन योजनान्तर्गत प्रेषित प्रोजक्टों के अनुसार धनराशि यथाशीघ्र अवमुक्त करने का भी अनुरोध किया गया। नेशनल डेरी प्लान-2 में उत्तराखण्ड राज्य को सम्मिलित करने तथा जीका-बी समर्थित डेरी विकास के अन्तर्गत भी आवश्यक सहयोग प्रदान करने की भी अपेक्षा की गयी।केन्द्रीय मंत्री द्वारा भारत सरकार स्तर से उत्तराखण्ड राज्य को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया।बैठक में भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उत्तराखण्ड के सचिव पशुपालन, मत्स्य डॉ0 बी0वी0आर0सी0 पुरूषोत्तम भी उपस्थित थे।

स्व. इंद्रमणि बडोनी की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री धामी ने किया नमन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्व. इंद्रमणि बडोनी की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी की उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। पर्वतीय विकास की संकल्पना और उत्तराखण्ड राज्य निर्माण में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

गोरखा कल्याण परिषद ने सीएम धामी को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोरखा कल्याण परिषद् ने गुरूवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के प्रमुख लोग मौजूद रहे जिन्होंने सीएम धामी को गोर्खाली टोपी और खुखरी भेंट की। आपको बता दें कि जे.बी कार्की के नेतृत्व में गोरखा कल्याण परिषद् के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर के.बी थापा, श्री सी.बी थापा, पदमा देवी, अनीता देवी, करुणा थापा, सुभम कुमार, सत्यबीर सिंह एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

नेताजी को आप नेताओं ने किया नमन : कमलेश रमन

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी महानायक नेताजीसुभाषचन्द्र_बोस जी को उनकी पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन-स्मरण... नमन करते हुए आप पार्टी के प्रदेश समन्वयक जोत सिंह बिष्ट जी ने कहा की आज देश की आजादी में अग्रणी भूमिका निभाने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के पद चिन्हों पर चलकर देश में तरक्की और उन्नति के लिए अग्रसर कदम उठाने की आवश्यकता है समाज में बढ़ रही

अराजकता सांप्रदायिकता विरोधी ताकतों को रोकना चुनौतीपूर्ण कार्य है। देशभक्त सपूत सुभाष चंद्र जी ने कहा था कोई भी अच्छा कार्य करने के लिए अड़चनें कितनी भी आएं उन सब को दरकिनार करके विकास और युवा शक्ति को ताकत देनी होगी आज की जरूरत बन गई है किसी भी आजादी के लिए बलिदान त्याग की भावना प्रत्येक नागरिक की दिल में प्रेरणा पैदा करता है हम उन क्रांतिकारी वीर को नमन करते हुए पुण्यतिथि पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष आर पी रतूड़ी जी, प्रदेश प्रवक्ता कमलेश रमन ,कार्यालय प्रभारी सतीश शर्मा, अशोक सेमवाल, सी पी सिंह, श्रीमती ललिता कोली ,नितिन

IAS रामविलास यादव के खिलाफ चार्टशीट दाखिल, अब और कसेगा शिकंजा

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की धामी सरकार ने भ्रष्टाचार पर बड़ा हथौड़ा चलते हुए आय से अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड IAS रामविलास यादव की फाइलें खोल दी थी। जिसके बाद रिटायरमेंट के कुछ दिन पहले ही इस आईएएस की मुश्किलें बढ़ गई थी. अब इस हाईप्रोफाइल मामले में विजिलेंस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है. सूत्र बता रहे हैं कि रामविलास यादव के खिलाफ स्पेशल विजिलेंस कोर्ट में सुनवाई शुरू होगी. राज्य सतर्कता निदेशक अमित सिन्हा ने ये जानकारी मीडिया दी है.

अंदर की खबर है कि आरोप पत्र समय से कोर्ट में दाखिल ना हो सके, इसको लेकर भी जेल में बंद आईएएस रामविलास यादव की ओर से शासन के उच्च अधिकारियों से संपर्क करने की खबर आई थी। जिसकी भनक लगते ही विजिलेंस ने चार्जशीट को समय रहते दाखिल करने की कार्रवाई पहले से तेज कर दी थी. केंद्र से ऑनलाइन अनुमति मिलने के बाद

रामविलास यादव के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई. विजिलेंस निदेशक सिन्हा के मुताबिक यादव के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य और सबूत हैं. वहीं, उत्तर प्रदेश गई विजिलेंस की टीम ने भी काफी ऐसे सबूत एकत्र किए गए हैं जिसको आरोप पत्र में लगाया गया है.

आपको यहाँ इस बड़ी खबर के बारे में बता दें कि 23 जून 2022 को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में लंबी पूछताछ के बाद रिटायर्ड आईएएस रामविलास यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. फिलहाल यादव न्यायिक हिरासत में देहरादून की जेल में बंद हैं. वहीं कानूनी प्रक्रिया के अनुसार इस मामले में विजिलेंस को 60 दिनों में आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल करना था, जो कर लिया गया है. अब रामविलास यादव पर कानूनी शिकंजा पूरी तरह से कसा जा चुका है.

क्या आप जानते हैं 2022 में उत्तराखंड की कितनी जनसंख्या होगी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुष्कर सिंह धामी सरकार अनुमान लगा रही है कि प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या 11,700,099 (1 करोड़ 17 लाख 99) पहुँच सकती है. 2022 में उत्तराखंड में पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या 5,960,315 (59 लाख 60 हजार 315) आंकी जा रही है. इसके साथ साथ 2022 में उत्तराखंड में महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या 5,739,784 (57 लाख 39 हजार 784) आंका जा रही है।

इसके पहले आपको यहाँ बता दें कि कोरोना महामारी की वजह से दो वर्षों से स्थगित 2021 की जनगणना के आरंभ को लेकर कैबिनेट मंत्री डॉक्टर प्रेमचंद अग्रवाल ने विभागीय सचिव के साथ समीक्षा बैठक में कई निर्देश दिए हैं। डॉक्टर अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2011 के बाद 2021 में जनगणना की जानी थी. मगर कोविड 19 के चलते जनगणना नहीं की जा सकी।

मंत्री डॉक्टर प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि जनगणना निदेशालय भारत सरकार के द्वारा जनगणना के संबंध में जो भी निर्देश दिए गए हैं, उन निर्देशों का यथा अनुपालन करते हुए इस वर्ष जनगणना आरंभ की जाए. उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिए गए निर्देशों के अनुसार आगामी जनगणना की जाए. साथ ही पूरी कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र उनके समक्ष प्रस्तुत की जाए।

क्या होगा अब उन करोड़ों झंडों का जो हर घर तिरंगा अभियान में लगाया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

15 अगस्त को 4 दिन हो चुके हैं। आजादी का अमृत पर्व आज भी देश में लोगों के बीच बना हुआ है। हर घर तिरंगा अभियान में देश के बड़े पैमाने पर लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लाखों लोगों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराया, हो सकता है आपने भी अपने घर, ऑफिस, कार या बाइक पर भारत का झंडा लगाया होगा। लेकिन अब सवाल आता है कि घरों, दफ्तरों, कारों, बाइक्स पर लगे तिरंगे का क्या? आप इसे कब तक रखेंगे?आपको बता दें, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के मुताबिक, इस साल 15 अगस्त को देशभर के व्यापारियों ने अलग-अलग साइज के 30 करोड़ झंडे बेचे थे। झंडे का कुल व्यापार लगभग 500 करोड़ रुपये का था। जाहिर है, अगर झंडे इतनी बड़ी मात्रा में बेचे गए हैं, तो उन्हें सुरक्षित रखना भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। तिरंगा भारतीयों के गौरव का प्रतीक है।इसका जवाब समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने ट्विटर पर एक पोस्टर शेयर कर दिया है. उनके द्वारा शेयर किए गए पोस्टर में लिखा है-

"15 अगस्त के बाद झंडे का क्या? घबराने की ज़रूरत नहीं है. ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज, लखनऊ कॉलेज के पास इसका समाधान है. हम राज्य भर के अलग-अलग शहरों के रिहायशी इलाकों, घरों, दूसरे संस्थानों, सड़कों से जमा किए झंडे इकट्ठा कर रहे हैं. आप चाहें तो इस्तेमाल किए हुए झंडे डाक से भेज सकते हैं और चाहें तो उनके कॉलेज के गेट पर भी जमा कर सकते हैं."

लेकिन ऐसा नहीं है कि जनता के पास सिर्फ झंडा इकट्ठा करने वालों के पास जाने का ही विकल्प है। आम जनता भी अपने स्तर पर झंडे का ख्याल रख सकती है और उसे नष्ट कर सकती है।इंडियन फ्लैग फाउंडेशन के सीईओ असीम कोहली का कहना है कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां हैं. वे कहते हैं, "लोगों के मन में यह भ्रांति है कि झंडा 13 से 15 अगस्त के बीच ही फहराना था. केंद्र या राज्य सरकार ने कभी भी 15 अगस्त के बाद झंडा नीचे उतारने के लिए नहीं कहा. सबसे पहले , जनता को उसे यह समझना होगा।

वह आगे कहते हैं कि ₹भारत में साल में 365 दिन आम जनता को घर, कार्यालय या किसी सार्वजनिक स्थान पर झंडा लगाने की अनुमति है। यह सर्वोच्च न्यायालय के 2004 के फैसले के बाद संभव हो गया है। इस वजह से, यह है 15 अगस्त के बाद घरों से झंडा उतारना अनिवार्य नहीं है। आप इसे अपनी जगह पर छोड़ सकते हैं।₹

दूसरों को कैसे प्रभावित करें, लीजिये इस खबर से टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप किसी से भी मिलने पर एक अच्छा प्रभाव छोड़ना चाहते हैं? आम बात है सब चाहते है तो अगर इस उत्तर का जवाब हां है, तो हम आपको बता दें कि प्रभावशाली व्यक्तित्व पाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आप बहुत ही आसानी से प्रभावशाली व्यक्तित्व प्राप्त कर सकते हैं, आपको बस कुछ आदतों को अपनाना होगा। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो आदतें।दूसरों को कैसे प्रभावित करें: हम हर रोज कई लोगों से मिलते हैं लेकिन उनमें से कुछ ऐसे लोग हैं जो हम पर एक छाप छोड़ते हैं। ऐसे लोगों के व्यक्तित्व को हम लंबे समय तक याद रखते हैं। प्रभावशाली व्यक्तित्व का हर कोई कायल हो जाता है। लेकिन ऐसे में सवाल उठता है कि वो कौन सी आदतें हैं जो किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाती हैं।

आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने व्यक्तित्व का जादू दूसरों पर भी डाल सकते हैं। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो आदतें।अपने बारे में कॉन्फिडेंट फील करें: अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनैलिटी से इंप्रेस हो जाएं तो जरूरी है कि आप खुद से बारे में कॉन्फिडेंट फील करें. किसी से मिलते वक्त आप जो भी बोलें उसमें कॉन्फिडेंस झलकना चाहिए. वहीं, आप जो पहन रहे हैं उसको लेकर भी आप कॉन्फिडेंट दिखने चाहिए. जब आप खुद कॉन्फिडेंट फील करते हैं तो लोगों से बेहतर तरीके से बातचीत कर पाते हैं. इससे आप दूसरों पर अच्छा इंप्रेशन जमा सकते हैं.अपने बारे में कॉन्फिडेंट महसूस करें: अगर आप चाहते हैं कि लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित हों, तो यह जरूरी है कि आप अपने बारे में कॉन्फिडेंट महसूस करें। किसी से मिलते समय आप जो भी कहें उसमें आत्मविश्वास झलकना चाहिए। साथ ही आप जो पहन रहे हैं उसे लेकर भी कॉन्फिडेंट दिखना चाहिए। जब आप अपने आप में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, तो आप लोगों के साथ बेहतर ढंग से बातचीत करने में सक्षम होते हैं। इससे आप दूसरों पर अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं।मुस्कान के साथ किसी से मिलें: अगर आप किसी से पहली बार मिल रहे हैं और चाहते हैं कि वह व्यक्ति आपसे प्रभावित हो, तो यह जरूरी है कि आप उस व्यक्ति से अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ मिलें। जब आप किसी मुस्कुराते हुए मिलते हैं, तो आप उस व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। सामने वाले को भी आपसे मिलकर अच्छा लगता है। ऐसा करके आप सामने वाले पर अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं।पहुंच योग्य बनें: आपको अपना व्यवहार ऐसा रखना चाहिए कि लोग आपसे बात करने या कुछ सवाल पूछने में सहज महसूस करें।

भारत ने किए आठ यूट्यूब चैनल ब्लॉक, जिसमे भारतीय समाचार चैनल भी शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत सरकार ने किए देश के खिलाफ गलत सूचना फैलाने वाले यूट्यूब चैनलो को ब्लॉक आपको बता दे राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए सरकार ने अन्य देशों से संबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कथित दुष्प्रचार के मामले में एक पाकिस्तानी चैनल समेत आठ यूट्यूब चैनल को ब्लॉक करने का आदेश दिया। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि ब्लॉक किए गए इन चैनल को 114 करोड़ बार देखा गया है और इसके 85.73 लाख सब्सक्राइबर हैं तथा इन चैनल की सामग्री से धन अर्जित किया जा रहा था। जिन चैनल को सूचना प्रौद्योगिकी नियमों-2021 के तहत ब्लॉक किया गया है, उनमें सात भारतीय समाचार चैनल हैं। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि इन यूट्यूब चैनल ने भारत सरकार द्वारा धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त किए जाने, धार्मिक त्योहारों को मनाने पर प्रतिबंध लगाए जाने, भारत में धार्मिक युद्ध की घोषणा जैसे झूठे दावे किए। बयान में कहा गया, ₹ऐसा पाया गया कि यह सामग्री साम्प्रदायिक सद्भाव और देश में सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ सकती है। ₹ इसमें कहा गया कि इन यूट्यूब चैनल का इस्तेमाल भारतीय सशस्त्र बलों और जम्मू-कश्मीर जैसे विभिन्न विषयों पर भी फर्जी खबरें पोस्ट करने के लिए किया जाता था। बयान में कहा गया, ₹इस सामग्री को राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंधों के दृष्टिकोण से संवेदनशील और पूरी तरह से मिथ्या पाया गया.₹अगर आप अपने यूट्यूब चैनल में झूठे दावे,धार्मिक युद्ध की घोषणा जैसी वीडियो डालते हो तो आपका चैनल ज्यादा दिन का मेहमान नहीं है। अभी ही बस ऐसे वीडियो से पैसा कमाना बंद कर दे।

क्या आपके पैरों में रहता है दर्द, हो सकती है ये बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मधुमेह एक पुरानी बीमारी है जो जीवन भर चलती है। मधुमेह की समस्या तब होती है जब किसी व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज का स्तर बहुत अधिक हो जाता है या इसे थोड़ा और सरल भाषा में समझें, तो जब अग्न्याशय (अग्न्याशय) इंसुलिन का उत्पादन बिल्कुल नहीं कर पाता है या बहुत कम मात्रा में करता है। तब मधुमेह की समस्या हो जाती है। मधुमेह मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं - टाइप 1 मधुमेह और टाइप 2 मधुमेह।टाइप 1 मधुमेह में, अग्न्याशय बिल्कुल भी इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है। वहीं, टाइप 2 मधुमेह में अग्न्याशय बहुत कम मात्रा में इंसुलिन का उत्पादन करता है। एक अन्य प्रकार के मधुमेह को गर्भकालीन मधुमेह कहा जाता है। गर्भावधि मधुमेह की समस्या गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में होती है। इन तीन प्रकार के मधुमेह में सबसे आम बात यह है कि इन तीनों में रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है।

मधुमेह के कारण व्यक्ति को पैरों में दो प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे मधुमेह न्यूरोपैथी और परिधीय संवहनी रोग (परिधीय धमनी रोग)।मधुमेही न्यूरोपैथी में अनियंत्रित मधुमेह आपकी नसों को प्रभावित और क्षति पहुँचा सकता है। जबकि, परिधीय संवहनी रोग आपके रक्त के प्रवाह को प्रभावित करता है, जिससे पैरों में कई तरह के लक्षण दिखाई देते हैं। पैरों में दिखने वाले मधुमेह के कुछ लक्षण इस प्रकार हैं-दर्द, झुनझुनी और पैरों का सुन्न होना- डायबिटिक न्यूरोपैथी एक प्रकार की तंत्रिका क्षति है जो मधुमेह के रोगियों में होती है। मेयो क्लिनिक के अनुसार, डायबिटिक न्यूरोपैथी पैरों और पैरों में नसों को नुकसान पहुंचाती है, जिससे पैरों, पैरों और हाथों में दर्द और सुन्नता जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसके अलावा यह पाचन तंत्र, मूत्र मार्ग, रक्त कोशिकाओं और हृदय से संबंधित समस्याएं भी पैदा कर सकता है। हालांकि कुछ लोगों में इसके लक्षण बेहद हल्के होते हैं तो कुछ में इसके लक्षण काफी दर्दनाक होते हैं।पैर में अल्सर- आमतौर पर त्वचा में दरार या गहरे घाव को अल्सर कहा जाता है। डायबिटिक फुट अल्सर एक खुला घाव है और यह मधुमेह के 15% रोगियों को प्रभावित करता है। यह मुख्य रूप से पैरों के तलवों में होता है। हल्के मामलों में, पैर के अल्सर से त्वचा को नुकसान हो सकता है, लेकिन गंभीर मामलों में, इससे शरीर के उस हिस्से में कट भी लग सकता है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि इससे बचने के लिए शुरू से ही डायबिटीज के खतरे को कम करना बेहद जरूरी है।

एथलीट फुट (पैरों में दाद)- मधुमेह के कारण नसों को होने वाले नुकसान से एथलीट फुट समेत कई समस्याएं बढ़ सकती हैं। एथलीट फुट एक फंगल संक्रमण है जो पैरों में खुजली, लालिमा और दरार का कारण बनता है। यह एक या दोनों पैरों को प्रभावित कर सकता है।गांठ बनना या कॉर्न्स और कॉलस- डायबिटीज से भी कॉर्न्स और कॉलस की समस्या हो सकती है। कॉर्न्स या कॉलस तब होता है जब किसी जगह की त्वचा पर बहुत अधिक दबाव या रगड़ लग जाती है, तो वह त्वचा सख्त और मोटी हो जाती है।पैर के नाखूनों में फंगल इंफेक्शन- डायबिटीज के मरीजों में नाखूनों में फंगल इंफेक्शन का खतरा भी बहुत ज्यादा होता है। इसे ओनिकोमाइकोसिस के रूप में जाना जाता है जो आमतौर पर अंगूठे के नाखून को प्रभावित करता है। इस समस्या के कारण नाखूनों का रंग बदलने लगता है और वे काफी मोटे हो जाते हैं, कुछ मामलों में नाखून अपने आप टूटने लगते हैं। कई बार नाखून में चोट लगने से भी फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

जानिए संतरे के छिलके और शहद के वो चमत्कार, जो दूर कर सकते हैं ये समस्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अपने दैनिक आहार में संतरे या इसके रस को शामिल करें और वजन कम करें। ये पंक्तियाँ आपने कई बार सुनी होंगी। संतरा खाया है, लेकिन उसके छिलके का क्या? अब आप कहेंगे कि संतरा खाने के बाद उसके छिलके कूड़ेदान में फेंक दिए जाएंगे। अगर आपका जवाब वही है तो फिर से सोचें। आप जिस संतरे के छिलके को बेकार समझकर फेंक रहे हैं, वह आपके चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में काम आ सकता है। इसके छिलके में विटामिन की मात्रा संतरे के गूदे की तुलना में काफी अधिक होती है। संतरे के छिलके त्वचा के लिए वरदान माने जाते हैं। संतरे के छिलके और शहद से बने फेस पैक को चेहरे पर लगाने से ब्लैक हेड्स, मुंहासे, दाग-धब्बे और दाग-धब्बे दूर हो सकते हैं। तो आइए आज जानते हैं संतरे के छिलके और शहद को चेहरे पर लगाने से होने वाले फायदों के बारे में।

कैसे करें संतरे और शहद का इस्तेमाल

चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए आप शहद और संतरे के छिलकों का इस्तेमाल फेस पैक या फेस स्क्रब के तौर पर कर सकते हैं। दरअसल संतरे के छिलके में पर्याप्त मात्रा में कॉपर, फोलेट, विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर पाया जाता है। अगर आप संतरों के छिलके को नियमित तौर पर चेहरे पर इस्तेमाल करते हैं, तो ये स्किन से डेड सेल्स को निकालने में मददगार साबित होता है। सबसे पहले इसको धूप में अच्छे से सूखाकर पाउडर बना लें। इसके बाद एक कटोरी में संतरे के छिलके का पाउडर 2 चम्मच डालें। इसमें थोड़ा सा शहद मिलाएं। शहद और संतरे के छिलके के पाउडर का पेस्ट

आपको गाढ़ा लगता है, तो इसमें थोड़ा सा दूध मिलाएं। इस फेस पैक को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 से 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद संतरे के छिलके और शहद से बनें इस फेस को पैक को नॉर्मल पानी से धो लें। आप सप्ताह में 2 बार इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

चेहरे पर संतरे के छिलके और शहद लगाने के फायदे : 1. संतरे के छिलके के पाउडर को शहद के साथ मिलाकर लगाने से टैनिंग को खत्म करने में मदद मिलती है। जिन लोगों की स्किन गर्मियों और बीच पर घूमने की वजह से काली पड़ गई है, उनके लिए संतरे के छिलके का पाउडर और शहद काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। 2. संतरे के छिलके का पाउडर त्वचा पर मौजूद सारी गंदगी को करने में मददगार साबित होता है। अगर आप नियमित तौर पर संतरे के छिलके से बना फेस पैक लगाते हैं, तो ये कील मुंहासे की समस्या को भी खत्म कर सकता है। 3. कई लड़कियों को पिंपल्स और ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने की वजह से चेहरे पर दाग और धब्बों की समस्या हो जाती है, उन्हें भी संतरे के छिलके और शहद का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। 4. जिन लोगों को ओपन पोर्स की समस्या होती है, उन्हें भी संतरे के छिलके और शहद से बने फेस पैक का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। संतरे के छिलके और शहद के पोषक तत्व ओपन पोर्स को बंद करने में मददगार साबित होते हैं।

जन्माष्टमी की शुभकामनाएं : डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने गुरुवार को जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र की समस्याएं और विभाग से सम्बंधित वार्ता भी की।गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास पर कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर जन्माष्टमी की बधाई देकर मुंह मीठा कराया।

कहा कि जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी शिक्षाओं के प्रति स्वयं को समर्पित करने का त्योहार है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह त्योहार भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को प्रसारित करने का भी एक अवसर है, जिसमें नीतिपरायणता, सच्चाई और प्रतिफल से अधिक कर्तव्य पर बल दिया गया है। यह त्योहार हमें इन सभी शाश्वत

मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करे।इस मौके पर डॉ अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर वार्ता की। साथ ही विभागीय संबंधित विषयों पर विस्तार से वार्ता की।

एससी/एसटी की पार्लियामेंट कमेटी के अध्यक्ष का मंत्री गणेश जोशी ने किया स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के कृषि एवम् सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी बृहस्पतिवार को मसूरी के स्मार्ट विलेज क्यारकुली भट्टा के ग्राम बसागाड़ में विजिट करने पहुंची केंद्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति पार्लियामेंट कमेटी के अध्यक्ष डॉ/ प्रोफेसर किरीत प्रेमजीभाई सोलंकी और उनके साथ में सभी कमेटी के सदस्यों का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पार्लियामेंट कमेटी के सदस्यों ने क्यारकुली भट्टा के ग्राम बसागाड़ में विद्यालयों और आगनवाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पार्लियामेंट कमेटी के अध्यक्ष किरीत सोलंकी ने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी द्वारा मसूरी में किए जा रहे विकास कार्यों की जमकर सराहना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजाति के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत है।मंत्री जोशी ने कहा कि कमेटी की विजिट के बाद निश्चित रूप से इस कमेटी का लाभ उत्तराखंड की जनता को तो मिलेगा ही,लेकिन विशेष कर मसूरी की जनता को इसका लाभ मिलेगा ऐसा मेरा भरोसा है। उन्होंने बासागाड़ की आँगनबाड़ी एवं प्राथमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर कमेटी के सभी सदस्य, जिलाधिकारी सोनिका, सीडीओ झरना कमठान सहित कई लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

रफ्तार का शिकार होता भारत

देश में सड़कों का जाल बिछाने का काम तेजी से चल रहा है, सड़कों पर होने वाले हादसे के आंकड़ों ने चिंताएं भी बढ़ा दीं हैं. सड़क परिवहन और राजमार्गमंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में सड़क दुर्घटना की वजह से 1,31,714 लोगों की मौत हो गयी. इनमें से 69.3 प्रतिशत यानी 91,239 मौतें तेज रफ्तार, 30.1 प्रतिशत यानी 39,798 मौतें हेलमेट न पहनने और 11.5 प्रतिशत यानी 26,896 मौतें कार चलाते समय सीट बेल्ट न लगाने से हुईं. यह आंकड़ा तब और भयावह हो जाता है, जब यह तथ्य सामने आता है कि मृतकों का 62 प्रतिशत हिस्सा 18-35 वर्ष आयु वर्ग का है. विश्व बैंक की रिपोर्ट की मानें, तो भारत में दुनिया के एक फीसदी वाहन हैं, पर वाहन दुर्घटनाओं के चलते विश्व में होने वाली 11 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सालाना करीब साढ़े चार लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है. देश में हर घंटे 53 सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और हर चार मिनट में एक मौत होती है. भारत में पिछले 10 सालों में सड़क हादसों में करीब 13 लाख लोगों की मौत हुई है और 50 लाख से अधिक लोग घायल हुए हैं. यह दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है. ग्लोबल स्टेट्स रिपोर्ट ऑन रोड सेफ्टी ने सड़क सुरक्षा से संबंधित पांच कारकों की पहचान की है, जिनमें वाहन तेज चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट का प्रयोग नहीं करना, सीट बेल्ट का न बांधना और सुरक्षा उपायों के बिना बच्चों के साथ यात्रा करना आदि शामिल हैं. सड़क सुरक्षा की समस्याओं से लड़ने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बहुपक्षीय रवैया निर्धारित किया है, जिसमें '4ई' पर मुख्य जोर है- एजुकेशन (शिक्षा), एनफोर्समेंट (प्रवर्तन), इंजीनियरिंग और इमरजेंसी. ये नियमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बेहतर नियमन करने, और ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने, सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार और सड़क दुर्घटना के पीड़ित को तुरंत मदद सुनिश्चित करने से संबंधित हैं. सड़क दुर्घटनाओं के लिए सरकार और खराब सड़कों को दोष देना तो आसान है, मगर लोग अपनी जिम्मेदारी से साफ बच निकलते हैं. मालूम हो, सड़क हादसे दुनियाभर, विशेष रूप से भारत, में मृत्यु, विकलांगता और अस्पताल में भर्ती होने के प्रमुख कारणों में है. भारत के श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी बेहद कम (महज 27 प्रतिशत) है. इसका अर्थ यह है कि वे पुरुषों की तुलना में कम बाहर निकलती हैं, अपेक्षाकृत कम दूरी की यात्राएं करती हैं और सड़क सुरक्षा से जुड़े खतरों का जोखिम भी कम उठाती हैं. लेकिन हादसे का प्रभाव महिलाओं और पुरुषों पर अलग-अलग तरह से पड़ता है. अध्ययन बताते हैं कि समान गंभीरता वाले सड़क हादसों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं के घायल होने और मारे जाने की संभावना कहीं ज्यादा होती है. चोटिल होने पर उनके उपचार और दुर्घटना संबंधी समुचित देखभाल मिलने की संभावना कम होती है क्योंकि उनके पास स्वास्थ्य बीमा की सुविधा नहीं होती. महिलाओं के पास आर्थिक मजबूती के अन्य साधन भी कम होते हैं.

यहाँ होती है भारत माता और महात्मा गांधी की पूजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छत्तीसगढ़ के धमतरी के सटियारा में देश का इकलौता मंदिर है, जहां पर लोग न सिर्फ देवी-देवता की पूजा करते हैं, बल्कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भी पूजा करते हैं। इसके साथ ही इस मंदिर में भारत माता की भी पूजा की जाती है। गंगरेल बांध की खूबसूरत हसीन वादियों के पीछे बसे सटियारा गांव में स्थित गांधी में लगभग सभी पर्वो को धूमधाम से मनाया जाता है।

इस मंदिर में नवरात्रि के समय मनोकामना ज्योति जलाई जाती है। इसके अलावा राष्ट्रीय पर्व जैसे स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के मौके पर ध्वजारोहण भी किया जाता है और आजादी की खुशियां मनाई जाती हैं। धमतरी जिला मुख्यालय से गंगरेल बांध के रास्ते पर 40 किलोमीटर और सड़क मार्ग से करीब 70 किलोमीटर दूर यह मंदिर सटियारा गांव में स्थित है। आपको अगर यहां जाना है तो गंगरेल से नाव का सहारा लेना पड़ेगा।कांकेर जिले के समिति से जुडे. लोगों के गुरूदेव दुखू ठाकुर महात्मा गांधी के परमभक्त थे। इसलिए उन्होंने गांधी के विचारों को आगे बढ़ाने को लेकर गांधी मंदिर की स्थापना करवाई। गंगरेल बांध बनने के मंदिर डूब गया था। बाद में यह मंदिर नदी के किनारे बनाया गया।मंदिर समिति के लोग महात्मा गांधी की पूजा के समय प्रसाद के रूप में चावल के आटे का इस्तेमाल करते है। जिस तरह महात्मा गांधी सादे वस्त्र में रहते हैं। उसी तरह के वस्त्र पहनकर यहां पूजा-अर्चना की जाती है। खादी के कपड़े इस मंदिर में चढ़ाए जाते हैं। यहां के लोग दूसरों को गांधीवादी विचारों पर चलने का संदेश देते हैं। हालांकि, इस जगह मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। आपको यहां आने के लिए पंगडंडी के रास्ते से गुजरना पड़ेगा। घने जंगल होने की वजह से यहां जंगली जानवरों का भी खतरा रहता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा शुभारम्भ किया उत्तराखण्ड राज्य सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरांचल बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'उत्तराखण्ड राज्य सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारम्भ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा ₹बच्चे खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैं। मैंने देखा है कि जितने भी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं, वो सारे बहुत सामान्य परिस्थितियों में निकले हैं। जिनके जीवन में अभाव है उन्होंने अपनी संकल्प शक्ति, इच्छा शक्ति और परिश्रम के आधार पर बहुत अच्छा मुकाम हासिल किया है...खेलों को लेकर हम उत्तराखंड में नई खेल नीति लेकर आए हैं जिसमें हमने कई प्रावधान किए हैं और कई प्रावधान आगे भी करेंगे।

आगे उन्होंने कहा,आज हर क्षेत्र में भारत लीडर के रूप में आगे बढ़ रहा है, अब नए भारत का निर्माण हो रहा है। अमृत महोत्सव के बाद हम अमृत काल में प्रवेश कर गए हैं। इस अमृत काल में हमें हर क्षेत्र में नंबर 1 बनना है।"

अनजान लड़की से दोस्ती पड़ी भारी, हड़पे पैतालीस लाख रुपए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पूरा मामला कुछ इस प्रकार है रावली महदूद स्थित रामधाम कॉलोनी निवासी युवक ने कोर्ट में शिकायत दी और बताया कि साल 2016 में वह कारोबार के सिलसिले में मुंबई गया था. जहां उसकी मुलाकात कंचन राज से हुई। कंचन राज मुंबई की बार डांसर हैं। दोनों दोस्त बन गए और लगातार मोबाइल पर बात करने लगे।मुंबई से वापस हरिद्वार पहुंचने के बाद दोनों के बीच अक्सर वीडियो कॉल्स होता रहता था। और देर रात तक बात-चित चलती रहती थी। आरोप है कि महिला ने युवक का अश्लील वीडियो बना लिया और पैसे की मांग करने लगी। युवक ने रुपए नहीं देने पर वीडियो वायरल करने के साथ दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी।युवक द्वारा महिला के बैंक खाते में अभी तक 45 लाख रुपये भेजे जा चुके हैं। लेकिन इसके बाद भी लगातार पैसे की मांग की जा रही है. रानीपुर कोतवाली प्रभारी रमेश तंवर ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और कार्रवाई की जा रही है।

मंडलायुक्त दीपक रावत ने सितम्बर तक चीनी मिल को पिराई के लिए तैयार करने के निर्देश दिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मण्डलायुक्त दीपक रावत ने सहकारी चीनी मिल बाजपुर का निरीक्षण किया। उन्होने चीनी मिल का निरक्षण करते हुए कहा कि मशीनों के पूराने पाइप हटाकर नये पाइप जोड़े व पिनीयन वर्क शॉप ठीक करें। उन्होने चीनी मिल के चिमनी, बगास, पाईप लाईन, आदि का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इकोलामाइजर्स (मशीन) की साफ-सफाई कराना सुनिश्चित करें। उन्होने जीएम चीनी मिल हरबीर सिंह को निर्देश दिये कि सितम्बर माह तक चीनी मिल को पिराई हेतु पूर्ण रूप से तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होने चीनी मिल के छत को दुरूस्त करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होने मुख्य अभियन्ता चीनी मिल विनीत जोशी को निर्देश दिये कि मिल को तैयार करने में टेक्निकल स्टॉफ को अनिवार्य रूप से रखें।

इससे पूर्व मण्डलायुक्त दीपक रावत ने अतिथि गृह चीनी मिल में रूद्राक्ष का पौधा लगाया।

2-मण्डलायुक्त दीपक रावत ने बाजपुर कॉपरेटिव शुगर फैक्ट्री आस्वनी (डिस्लरी) का निरीक्षण किया। उन्होने फैक्ट्री में कार्यरत श्रमिकों से वार्ता कर उनसे उनके मानदेय एवं कार्यों में मिलने वाली अन्य सुविधओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी ली। उन्होने श्रमिकों को निर्धारित मानदेय से कम मानदेय देने एवं अन्य सुविधा न देने पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरण की पूरी जांच कर सम्बन्धित ठेकेदार पर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि फैक्ट्री में कार्यरत सभी श्रमिकों का पीएफ अनिवार्य रूप से जमा किया जाये ताकि भविष्य में श्रमिकों को उसका लाभ मिल सके। उन्होने फैक्ट्री में शराब की फीलिंग, कम्प्रेशर मशीन, स्टॉक, लेबल एवं पेकिंग तक की पूरी कार्य प्रणाली की गहनता से जांच की। इस दौरान उन्होने शराब में प्रयोग किये जाने वाले इन्सेन्स, कार्मेल अन्य सभी सामाग्री का अवलोकन किया।

इस दौरान एडीएम जय भारत सिंह, जीएम चीनी मिल हरबीर सिंह, उपजिलाधिकारी राकेश तिवारी, सीओ वन्दना वर्मा, तहसीलदार युसुफ अली आदि उपस्थित थे।

कोटक म्यूचुअल फंड के लिए यह वित्तीय वर्ष काफी उत्साहजनक रहा है : मनीष मेहता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून – कोटक म्यूचुअल फंड (केएमएफ) के लिए यह वित्तीय वर्ष काफी उत्साहजनक रहा है। हमारे उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने की हमारी रणनीति वितरण नेटवर्क में हमारे पदचिह्न का विस्तार करने में सहायक रही है। कोटक एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के नेशनल हेड सेल्स, मार्केटिंग एंड डिजिटल बिजनेस मनीष मेहता ने बुधवार को राजपुर रोड स्थित एक होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही।

मनीष मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि कंपनी ने सभी एसेट क्लास में एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में, कोटक म्यूचुअल फंड में एसआईपी खातों की संख्या 27 लाख (31 जून, 2022 तक) से अधिक है, जिसके माध्यम से निवेशक नियमित रूप से इसकी म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश करते हैं। कोटक फ्लेक्सीकैप फंड, कोटक ब्लूचिप, कोटक इमर्जिंग इक्विटी और कोटक इक्विटी अपॉर्चुनिटीज जैसे उत्पाद कोटक म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

मनीष मेहता ने बताया कि वर्तमान में उत्तराखंड के अंदर तीन जगहों देहरादून, हरिद्वार और हल्द्वानी में कोटक म्यूचुअल फंड मौजूद है. हमारी बिक्री और निवेशक संबंध टीम सभी बैंकों और राष्ट्रीय वितरकों और स्वतंत्र वित्तीय सलाहकारों (एमएफडी) के साथ मिलकर काम करती है। देहरादून सबसे बड़ा बाजार है और यह उत्तराखंड के कुल एयूएम में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। उत्तराखंड में इक्विटी निवेश कुल एयूएम का लगभग 81 प्रतिशत योगदान देता है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में पैनल में शामिल 700 म्यूचुअल फंड वितरक मौजूद हैं।मनीष मेहता ने कहा, "भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास देखा है, जिसके कारण निवेशकों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के निवेशकों ने म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में एसआईपी जैसे नए निवेश के रास्ते में बहुत रुचि दिखाई है। दिखाई जा रही है। कोटक म्यूचुअल फंड में, हम सक्रिय रूप से एसआईपी को बढ़ावा दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपार लोकप्रियता हासिल की है। उतार-चढ़ाव भरे समय में भी एसआईपी ने नियमित और अनुशासित निवेशकों के निवेश को संतुलित रखा है। निवेशक हमारी किसी भी मौजूदा योजना में से चुन सकते हैं और एसआईपी के माध्यम से निवेश शुरू कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में, हमारे 20,000 से अधिक भागीदारों ने कोटक बिजनेस हब की सदस्यता ली है। हमारी ऑनलाइन प्रशिक्षण पहल, प्रोस्टार्ट, को हमारे वितरण भागीदारों द्वारा अत्यधिक सराहा गया है। हाल ही में हमने निवेशक शिक्षा और जागरूकता के लिए अपना अभियान 'गो ऑटोमैटिक विद बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स' शुरू किया है।

अपराध के खिलाफ देहरादून पुलिस एक नया अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार की रफ़्तार मनो चीते की रफ़्तार। हर विभाग तेज़ज़ी से काम कर रहा है। हाल ही में देहरादून के एसएसपी ने अपराध पर लगाम लगाने के लिए एक नया अभियान शुरू करने जा रही है। देहरादून में संपत्ति विवाद को लेकर काफी शिकायतें थीं। जिस पर देहरादून के एसएसपी दिलीप सिंह कुंवर ने इस विषय पर पहले से ध्यान देने की सोची थी।अपनी बात पर कायम रहने के लिए एसएसपी के मुताबिक देहरादून राजधानी में प्रापर्टी डीलर के तौर पर काम करने वालों का डाटा तैयार करने जा रहा है। इसी तरह खनन में लगे ठेकेदारों और कामगारों का भी डाटा तैयार किया जाएगा। अन्य राज्यों के साथ-साथ प्रदेश के कई ठेकेदार प्रापर्टी डीलर के रूप में काम कर रहे हैं, ऐसे में डाटा तैयार किया जाएगा और अपराध में शामिल होने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा